16 "A hypothesis is a testable statement of the potential relationship between two or more variables."

"McGuigan" की परिभाषा से - स्पष्ट होता है कि परिकल्पना एक परीक्षण योग्य कथन है। इस कथन का उद्देश्य दो या अधिक चरों के बीच के सम्बन्ध को बतलाना होता है। अतः इस दृष्टि से Kerlinger की परिभाषा से यह अधिक वैज्ञानिक प्रमाणित होता है क्योंकि Kerlinger ने अनुमानिक कथन को स्वीकार किया है जो कि अस्थाई होता है। अतः परीक्षण योग्य कथन ही परिकल्पना है।

परिकल्पना के स्वरूप विश्लेषण में अनेकों वैज्ञानिकों ने अपना मत प्रस्तुत किया है लेकिन सबों का सार ऊपर की ही परिभाषा में है। परिभाषा के विश्लेषण से निम्नांकित बातों की जानकारी मिलती है: →

(1.) परिकल्पना एक अनुमानिक प्रस्ताव, कथन या अभिधारणा है जिसका निर्माण वास्तविक अध्ययन के पूर्व किया जाता है।

(2.) परिकल्पना में दो या दो से अधिक चरों के बीच के सम्बन्ध का उल्लेख किया जाता है।

(3.) परिकल्पित कथन या प्रस्ताव का आधार दैनिक जीवन का निरीक्षण या पूर्व का अध्ययन होता है।

(4.) परिकल्पना परीक्षण योग्य कथन होता है।

R. Nand M.A. II Sem

इससे परिकल्पना की स्वीकृति या अस्वीकृति होती है।

Differences between Research hypothesis and Research problem:

शोध परिकल्पना एवम शोध समस्या दोनों ही वैज्ञानिक शोध का आधार है फिर भी इन दोनों में मौलिक अंतर है। इन अंतरों की व्याख्या निम्नांकित द्वारा किया जा सकता है:→

(1.) शोध समस्या वैज्ञानिक शोध का पहला चरण है तथा परिकल्पना दूसरा। शोध समस्या के अनुरूप ही परिकल्पना का निर्माण किया जाता है। परिकल्पना का स्वरूप कैसा होगा। यह समस्या पर निर्भर करता है। अतः शोध ~~का~~ परिकल्पना शोध समस्या पर आधारित होता है न कि शोध समस्या परिकल्पना पर।

(2.) समस्या प्रश्नवाचक वाक्य या कथन होता है। क्योंकि समस्या एक समाधान योग्य कथन है जैसे, कैंसर ~~क्यों~~ क्यों होता है? इस समस्या का अवश्य ही कोई न कोई समाधानात्मक पहलू होता है लेकिन परिकल्पना एक अनुमानिक और परीक्षण योग्य कथन है क्योंकि परिकल्पना का निर्माण परीक्षण के लिए ही किया जाता है जैसे समस्या; कैंसर क्यों होता है?

K. Nirmal M.A II Sem (3)

का परिकल्पना इस प्रकार निर्माण किया जा सकता है कि "कैंसर धूम्रपान से होता है।" इस परिकल्पना की जाँच सम्भव है और अगर परीक्षण से यह सत्य प्रमाणित होता है तो इसे स्वीकृत कर ली जाती है अन्यथा अस्वीकृत किया जाता है। अतः समस्या प्रश्नवाचक कथन है और परिकल्पना परीक्षण योग्य कथन।

(3) समस्या का स्वरूप ऐसा होता है जिसमें दो या दो से अधिक चरों के बीच सम्बन्ध निर्धारित हो जाता। लेकिन परिकल्पना एक ऐसा प्रस्ताव या कथन है जिसमें दो या दो से अधिक चरों के बीच सम्बन्ध का उल्लेख किया जाता है।

(4) परिकल्पना में चरों के बीच का सम्बन्ध का दिशा निर्देशित होता है। जैसे "पुरस्कार सिखान की गति को बढ़ाता है।" इस प्रकार के परिकल्पना से स्पष्ट होता है कि सिखान की गति पुरस्कार पर निर्भर करता है। लेकिन समस्या में चरों के दिशा निर्देश नहीं किया रहता है। समस्या सीधे तौर पर पूछे गये प्रश्न है जैसे क्या पुरस्कार सिखान की गति को बढ़ता है?

(5) समस्या समाधान हेतु एक प्रस्तावित कथन है जो सच्चाई होती है। लेकिन परिकल्पना असच्चाई कथन है जो परीक्षण के बाद सच्चाई बनता है।

K. Nand M.A II Sem



शोध समस्या और शोध परिकल्पना के बीच स्थापित अन्तरों के आधार पर हम कह सकते हैं कि शोध समस्या एक प्रश्न वाचक कथन है जिससे यह जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है कि दो या दो से अधिक चरों में किस प्रकार का सम्बन्ध पाया जाता है। इसके ठीक दूसरी ओर परिकल्पना एक परीक्षण योग्य अनुमानित कथन है जो दो या दो से अधिक चरों बीच का सम्बन्ध को बतलाता है। समस्या पर ही परिकल्पना आधारित है। अतः हम कह सकते हैं कि समस्या ~~परिकल्पना~~ शोध प्रणाली का प्रथम रूप है और परिकल्पना उसके बाद का निर्मित रूप है।